Title: **Need to connect Ajmer in Rajasthan by air – laid.**

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : महोदय, अजमेर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक, धार्मिक एवं साम्प्रदायिक सौहाद्रता की दृटि से एक महत्वपूर्ण नगर रहा है। इस अजमेर नगरी में स्थित प्रसिद्ध सूफी संत हजरत मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर अकीदत के फूल चढ़ाने के लिए देश-विदेश के लाखों श्रद्धालू प्रति वा अजमेर आते हैं। इसी प्रकार अजमेर के पास ही स्थित सुप्रसिद्ध तीर्थस्थली पुकर जो तीर्थगुरू के नाम से विख्यात है, में भी देश-विदेश के लाखों यात्री आते हैं। अजमेर रेल और सड़क मार्ग से तो देश के प्रमुख स्थलों से जुड़ा हुआ है परन्तु वायु सेवाओं से नहीं जुड़ा होने के कारण आने वाले पर्यटक यात्रियों को पहले दिल्ली और फिर वायुयान से जयपुर उतर कर सड़क मार्ग से अजमेर आना पड़ता है।

अजमेर में आने वाले अनेक महामहिम राट्रपतियों एवं प्रधान मंत्रियों ने भी अजमेर में हवाई अड्डे की आवश्यकता अनुभव करते हुए अजमेर में हवाई अड्डा बनाने एवं वायु सेवा से जोड़ने का अनेक बार आश्वासन दिया है। राट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने आवश्यक सर्वेक्षण करवा कर इसके लिए निर्धारित स्थान का चयन भी कर लिया है। राजस्थान की वर्तमान तथा पूर्ववर्ती सरकारों ने भी भारत सरकार से अजमेर में हवाई अड्डे की स्थापना और इसे वायु सेवाओं से जोड़ने का आग्रह किया है।

अतः भारत सरकार से अनुरोध है कि अजमेर में हवाई अड्डे की स्थापना को योजना में सम्मिलित कर शीघ्र ही हवाई अड्डे का निर्माण कराया जाए तथा इसे देश के हवाई मानचित्र पर अंकित करने के लिए वायु सेवाओं से जोड़ा जाए।